लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर पर लिखी पुस्तक का विमोचन, पहली प्रति उपराष्ट्रपति श्री एम वैंकया नायडू को भेंट की

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2019: आज संसद परिसर में स्थित बालयोगी सभागार में, राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर के जीवनवृत पर लिखी पुस्तक "चंद्रशेखर: द लास्ट आइकॉन आफ आइडियोलोजिकल पॉलिटिक्स" का विमोचन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के व्यक्तित्व और कृतित्व से युवा पीढ़ी को परिचित कराने हेतु, दिल्ली में एक आधुनिक संग्रहालय बनाने की घोषणा की और उनके सहयोगियों तथा परिजनों से इस संग्रहालय को समृद्ध बनाने के लिए सहयोग देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनैतिक छुआछूत की संस्कृति के तहत समाज के एक वर्ग द्वारा कुछ पूर्व प्रधानमंत्रियों को इतिहास में योजनाबद्ध तरीके से गौण रखने का प्रयास किया गया। आवश्यक है कि देश के इतिहास में सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान का समुचित सम्मान किया जाय। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के राजनैतिक आदर्श निष्ठा की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके व्यक्तित्व में आखिर वह कौन-सा तत्व रहा होगा जिसने उन्हें कांग्रेस नेतृत्व के विरुद्ध उस समय बगावत करने पर प्रेरित किया जबकि देश की राजनीति में कांग्रेस का पूर्ण वर्चस्व था।

विमोचन के पश्चात प्रधानमंत्री ने पुस्तक की पहली प्रति उपराष्ट्रपति तथा राज्य सभा के सभापति श्री एम.वैंकया नायडू को भेंट की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के एक संग्रहालय के निर्माण की घोषणा का स्वागत किया।

उपराष्ट्रपति श्री एम वैंकया नायडू ने कहा कि " आज जब सिद्धांतनिष्ठ राजनीति का चिंतनीय ह्रास हो रहा है, मुझे विश्वास है कि युवा पीढ़ी के राजनेता और सांसद, चंद्रशेखर जी के जीवन से प्रेरणा लेंगे।" उन्होंने बल देते हुए कहा कि " आज यह आवश्यक है कि लोग ऐसे व्यक्तित्व और कृतित्व से प्ररेणा लें जिसने बदलती राजनीति में भी अपने राजनैतिक विचारों, विश्वासों, सिद्धांतों का समझौता नहीं किया।"

श्री चन्द्रशेखर द्वारा स्थापित संसदीय आचरण के उच्च मानदंडों की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि चंद्रशेखर जी सदैव विचार, व्यवहार और आचरण में मर्यादा के कायल रहे। वरिष्ठों और सहयोगियों के प्रति आदर, कनिष्ठों के प्रति स्नेहिल सद्भाव, आचरण में मर्यादित सौम्यता और बराबरी का व्यवहार, चंद्रशेखर जी की जीवन शैली की नैसर्गिक प्रवृत्ति रहे। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जी न केवल आदर्शों और विचारधारा पर आधारित राजनीति के हिमायती थे, उन्होंने विचार के साथ आचार और आचरण की मर्यादा का सदैव पालन किया।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक सामान्य परिवार में जन्मे एक ऐसे लोकप्रिय राष्ट्रीय जननेता का जीवन वृत्त है जिसके पास न कोई वंशानुगत राजनैतिक पृष्ठभूमि थी, न विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने के अवसर, न समृद्ध वंश के संसाधन और न ही वर्ग, जाति, धर्म पर आधारित वोट बैंक।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश और श्री रवि दत्त बाजपेयी को पूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर के बारे में उत्कृष्ट पुस्तक लिखने के लिये बधाई देते हुए कहा कि श्री चन्द्रशेखर विश्व विख्यात नेता थे और उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन काल में समाज के शोषित और वंचित वर्ग को न्याय दिलाने के लिये सदैव संघर्ष किया। चन्द्रशेखर जी का संपूर्ण जीवन 'समाजवाद' के सिद्धांतों के आधार पर समाज में परिवर्तन लाने के लिए समर्पित था। श्री बिरला ने यह भी कहा कि चन्द्रशेखर जी युवाओं के बीच अत्यधिक लोकप्रिय थे और अपनी आयु के बावजूद उन्हें स्नेहपूर्वक 'युवा तुर्क' के नाम से जाना जाता था। यह स्मरण करते हुए कि श्री चन्द्रशेखर गाँवों की समस्याओं को जानने के लिए सदैव तत्पर रहते थे, श्री बिरला ने कहा कि उन्होंने इस मिशन को पूरा करने के लिये अपने समय में देश में सबसे लम्बी 'पदयात्रा' की थी।

इस अवसर पर राज्य सभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री गुलाम नबी आजाद ने भी श्री चंद्रशेखर के साथ अपने संस्मरण साझा किये।

इससे पूर्व पुस्तक के लेखक और राज्य सभा के उपसभापति ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए पुस्तक को लिखने के पीछे अपनी प्रेरणा का जिक्र किया – उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में चंद्रशेखर को अभीष्ट स्थान नहीं मिला है।

इस अवसर पर अनेक मंत्री, सांसद और गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे।

PRIME MINISTER SHRI NARENDRA MODI RELEASES THE BOOK 'CHANDRA SHEKHAR – THE LAST ICON OF IDEOLOGICAL POLITICS'

New Delhi, 24 July 2019: Prime Minister Shri Narendra Modi, released the book "Chandra Shekhar – The Last Icon of Ideological Politics." written by Shri Harivansh, Deputy Chairman, Rajya Sabha and Shri Ravi Dutt Bajpai in Balayogi Auditorium in the Parliament House Complex today. The Prime Minister presented the first copy of the book to the Vice President of India and Hon'ble Chairman Rajya Sabha, Shri M. Venkaiah Naidu. Speaking on the occasion, the Prime Minister said that in today's political context, it is remarkable that even after about 12 years of his passing away, the thoughts of former Prime Minister Shri Chandra Shekhar, continue to guide us, and are as vibrant as ever.

Congratulating Shri Harivansh for writing the book, the Prime Minister shared some memories and anecdotes of his interactions with Shri Chandra Shekhar. He described Shri Chandra Shekhar as a man of remarkable culture and principles, who did not hesitate to oppose the dominant political party of his time, because he disagreed with certain aspects of it. The Prime Minister appreciated his clarity of thought, commitment to the people, and dedication to democratic principles.

The Prime Minister also recalled the historic Padyatra that Shri Chandra Shekhar had undertaken, for the farmers, the poor, and the marginalized. He asserted that a museum for all former Prime Ministers will be established in Delhi. He urged the family members of former Prime Ministers to share aspects of the life and work of these Prime Ministers. He said the country needs a new political culture, beyond political untouchability.

Speaking on the occasion, Shri M. Venkaiah Naidu, Hon'ble Vice President of India and Chairman, Rajya Sabha welcomed the announcement made by the Hon'ble Prime Minister to establish the modern museum in Delhi for all former Prime Ministers. He said that the late Shri Chandra Shekhar Ji, who rose from a humble background to become the country's Prime Minister, had never swerved from the ideology and the principles in which he believed in. Men like Shri Chandra Shekhar were never attracted by the trappings of power. He always believed that politics was meant to serve the marginalized and deprived sections and not a vehicle to achieve power alone.

Shri Naidu expressed the hope that the life of Shri Chandra Shekhar will continue to inspire the politicians of the younger generation, especially at a time when ideology is taking a back seat. It is important for them to learn about a man who did not change his beliefs, principles, opinions, and friends to suit the changing political scenarios.

Shri Naidu remarked that the lifelong struggle of Shri Chandra Shekhar to achieve socio-economic parity for the sections of the Indian society should be understood by every individual entering public life. He hoped this book gives them a good understanding of the man who was fearless and led life by principles. One of the striking qualities of Shri Chandra Shekhar was that he was not only committed to lofty ideals but always maintained decorum and dignity at all times irrespective of whether he was holding an office or not.

Shri Naidu complimented Shri Harivansh Ji and his co-author for covering various facets of the leader right from his young days.

Congratulating Rajya Sabha Deputy Chairman Shri Harivansh and Shri Ravi Dutt Bajpai for writing an excellent book on the former Prime Minister Shri Chandra Shekhar, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla said that Shri Chandra Shekhar was a well-known leader throughout the world and had always struggled all through his life to bring about justice to the exploited and disadvantaged sections of the society. The whole life of Chandra Shekhar was devoted to bring about a revolution in the society based on the principles of 'socialism'. Shri Birla further observed that Shri Chandra Shekhar was immensely popular among the youths and despite his age, he was affectionately known as the 'Young Turk'. Recalling that Shri Chandra Shekhar was always committed to know about the problems of villages, Shri Birla said that to accomplish this mission, he had undertaken the longest 'padyatra' in the country in his time.

Shri Harivansh, Deputy Chairman, Rajya Sabha welcomed the dignitaries and remarked that he took the inspiration of writing the book from the fact that Shri Chandra Shekhar has not been accorded his rightful place in the history of our country.

Leader of Opposition in the Rajya Sabha, Shri Ghulam Nabi Azad who was present on the occasion, also shared his personal experiences with Shri Chandra Shekhar.